c. निस्: निष्क्रामामि (gr. 79.) egredi, prodire. RAM. I. 9.22.: निश्चक्रामा ऽमात्. — अभिनिष्क्रम्, उपनिष्क्रम् *id.* MAN. 6.41. RAM. III. 68.4. N. 13.36.

c. परा superare, vincere. DR. 8.57.: पराक्रान्त, v. पराक्रम.

c. परि ambulare. Lass. 74.6. - अनुपरिक्रम् circumgredi. MAN. 7.122.: स तान् अनुपरिक्राम्य सर्वान्. - सम्परिक्रम् *id.* MAH. EX. 12. बहूनि सम्परिक्राम्य तीर्थानि.

c. प्र *P. A.* incipere. M. 55.: प्रष्टुम् प्रचक्रमे; DEV. 2.48.: देवीङ् खड्गप्रहारैस् तु ते तां हन्तुम् प्रचक्रमुः.

c. प्रति recedere, gradum referre. DR. 6.24.

c. वि *A. i. q. simpl.* H. 1.9.: तेन विक्रममाणेन. - विक्रान्त fortis, validus. N. 12.54. 21.12.

c. सम् ire, ingredi. RAGH. 5.10.: कालो ह्य् अयं सङ्क्रमितुन् द्वितीयम् ... आश्रमम्. - *Caus.* RAGH. 13.3.: सन्क्रामिते तुरङ्गे; 9.52.

2. क्रम् 4. *P. A.*: क्राम्यामि, क्राम्ये (gr. 331[a].) *i. q.* क्रम् *cl.* 1.

क्रम *m.* (r. क्रम् s. अ) 1) gradus, passus. RAM. I. 27.24.: त्रिभिः क्रमैस् तथा लोकान् आजहार त्रिविक्रमः. 2) ordo, series, successio. N. 12.49.: क्रमप्राप्तं राज्यम्. — क्रमेण, क्रमात् ex ordine, deinceps. N. 16.31.: पर्यपृच्छत तान् सर्वान् क्रमेण सुहृदः स्वकान्; RAGH. 3.30.: क्रमाच् चतस्रः ... ततार विद्याः. 3) modus, ratio, vitae ratio. HIT. 8.15.: प्रस्तावक्रमेण स पण्डितो ऽब्रवीत्; 68.21.: अमात्यानाम् एषः क्रमः; UP. 68.: कष्टो ह्य् अविनयः क्रमः. — *In fine compositorum interdum redundare videtur; e. c.* HIT. 39.4.: दिग्विजयक्रमेण *i. q.* दिग्विजयेन i. e. post regionum superationem. (Huc retulerim scot. et hib. *ceum, céim* passus, ejecto *r.*)

क्रमशस् (a क्रम s. शस्) 1) gradatim, paulatim. HIT. 46.11. 2) ex ordine, deinceps. RAGH. 12.47.

क्रय *m.* (r. क्री s. अ) emtio. HIT. 32.1.

क्रय्य (r. क्री s. य v. gr. 629.) emptione comparandus. AM.

क्रव्य *n.* caro. (Lith. *krauja-s* sanguis, russ. кровь *krovj* *id.*, hib. *cru id.*, germ. vet. *hrêo* (genit. *hrêwe-s*, Th. *hrêwa*) cadaver; gr. κρέας, lat. *cruor, cruentus, crûdus, caro.*)

क्री 9. *P. A.* क्रीणामि, क्रीणे emere. RAM. I. 48.9.: अन्यम् वा ऽप्य् आनय क्रीत्वा; HIT. 32.1.: क्रयक्रीतश्च मैथुनम्. (Hib. *creanaim* «I buy, purchase» tam radice quam adjectâ syllabâ egregie cum क्रीणामि convenit; graec. πρίαμαι, πέρ-νη-μι, quorum posterius litteris transpositis ex πρέ-νη-μι pro πρί-νη-μι ortum esse videtur, mutatâ gutturali in labialem, quâ in re cum cambo-brit. *pyrnu* emere convenit; itaque origine alienum est περάω vendo a περάω transeo, in posteriore enim verbo, quod cum scr. पारयामि cognatum est, labialis littera est genuina. Fortasse etiam lith. *prékis* emtio, *perkù* emo, lat. *pretium* et angl. *hire* huc pertinent.)

c. उप *id.* HIT. 115.3.4.

c. वि vendere. RAM. I. 46.18.: न विक्रेष्याम्य् अहम् पुत्रम्; HIT. 87.2.

c. सम् emere. MAH. 1.6219.: नच मे विद्यते वित्तं सङ्क्रेतुम् पुरुषङ् क्वचित्.

क्रीड् 1. *P.* delectari, jocari, ludere. H. 4.47.: मा क्रीड जहि रक्षो विभीषणम्; HIT.: मृतस्य क्रीडन्ति दारैर् अपि धनैर् अपि.

c. सम् *P. A. id.* SU. 1.34.: तैस् तैर् विहारैः ... सङ्क्रीडतान् तेषाम्; RAM. I. 9.55.: चित्रं सङ्क्रीडमानास् ताः क्रीडनैर् विविधैस् तदा.

क्रीड *m.* (r. क्रीड् s. अ) oblectatio, jocus, ludus. AM.

क्रीडन *n.* (r. क्रीड् s. अन) *id.* RAM. I. 9.15., *v.* क्रीड् *praef.* सम्.

क्रीडा *f.* (r. क्रीड् s. आ) *id.* AM.

क्रुञ्च् 1. *P.* (कौटिल्याल्पीभावयोः *K.* गत्याम् *V.*) inflexum esse, exiguum esse, ire. (Pictetius huc trahit hib. *cruinn* rotundus.)

क्रुद्ध v. क्रुध्, gr. 83[a].

क्रुध् 4. *P.* irasci. N. 18.9.: न क्रुध्यन्ति वरस्त्रियः; H. 3.15.: पुंस्कामां शङ्कमानश्च चुक्रोध पुरुषादकः; *c. gen.* N. 22.28.: आधिभिर् दह्यमानस्य श्यामा न क्रो-